General History	The Centre traces its origin as a modest Artisan training school in 1959 within the premises of Signal Workshop, Gorakhpur Cantt and later on shifted to its present location in 1975 to cater the training requirement of all S&T artisan staff and promotional course for ESM/MSM/TCM/WTM to J.E./Sig. & J.E./Tele of N.E.Rly. & SEE/SPJ division of E.C. Rly. This training centre also impart training in the field of modern signaling and telecom installations such as data logger, axle counter, IPS ,L.E.D. signals,UTS ,PRS ,Networking,OFC etc. With the fast change in Technology, STTC has also upgrade itself, adopted modern technology aids, Methodologies of impart training to keep pace with the emerging technologies. This training centre is providing value aided training to the railway personnel of S&T department.Visiting faculty are also called as per requirements from the serving person to impart practical training on site.

सामान्य इतिहास	प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना सन १९५९ में सिगनल कारखाना गोरखपुर छावनी में आर्टीजन प्रशिक्षण स्कूल के नाम से हुआ, जो कि सन १९७५ में वर्तमान प्रशिक्षण केन्द्र में स्थानान्तरित हुआ । प्रशिक्षण केन्द्र पूर्वोत्तर रेलवे तथा पूर्व मध्य रेलवे (सोनपुर,समस्तीपुर मंडल) के सभी सिगनल एवं दूरसंचार विभाग के आर्टीजन कर्मचारी तथा पदोन्नति प्राप्त ई.एस.एम./एम.एस.एम./टी.सी.एम./डब्लू.टी.एम. से जेई/सिग.एवं जेई/ दूरसंचार के प्रशिक्षण की आवश्यक्ताओ की पूर्ती करता है। यह प्रशिक्षण केन्द्र आधुनिक सिगनलिंग तथा दूरसंचार के स्थापित उपकरणों जैसे डाटालागर,अक्सिल काउंटर आई.पी.एस., एल.ई.डी., सिगनल यू.टी.एस.,पी.आर.एस. तथा ओ एफ सी पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। तकनीक में हो रहे तेजी से बदलाव के साथ सिगनल एवं दूरसंचार प्रशिक्षण केन्द्र अपने आप को भी आधुनिक टीचिंग एड्स, ट्रेनिंग देने के नये- नये तरीको को अपनाकर अपग्रेड कर रहा है। यह ट्रेनिंग सेंटर क्रियाशील माडलों एवं फिल्ड से संबंधित आधुनिक जानकारी के लिए समय-समय पर आवश्यकतानुसार सेवारत बाहरी व्यखाताओ को बुलाकर भी प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।